

PROF. ILIAS ALI

Prof. Ilias Ali with his well grounded experiences in the field of Public Health, particularly in curbing population explosion-the greatest threat to mankind today, has attained a well-known stature in entire North Eastern India. Being a revered surgeon and philanthropist of the State, he has travelled almost all over the State of Assam including the most remote and difficult areas to spread awareness about the concept of family Planning and to popularize different means of birth control.

2. Born on August 9, 1955 in a remote village to a cultivator family in Darrang district, Assam, he completed his MBBS in 1982 and MS (General Surgery) in 1987 from Guwahati Medical College under Guwahati University, Assam. He has served the State and the Nation in various capacities as Prof. of Surgery (Emergency), founder of HOD Emergency Medicine, Guwahati Medical College, Guwahati and State Trainer cum State Nodal Officer of NSV Govt. of Assam; Senior Consultant of Family Planning, NIIM, Assam; Member of the Committee for Population Policy of Assam; National expert of NSV, MOHFW, GOI and Assessor of MCI, GOI. Under his leadership, the 'Emergency Medicine', a very new faculty which is yet to start in several states of India, has developed to a full-fledged faculty at Guwahati Medical College, Guwahati, Assam.

3. The most significant contribution of Prof. Ali is the popularization of family planning among the Muslims of immigrant background alluding to the verses from the Holy Quran and the Hadith. His strive against polygamy, a curse which was rampant among immigrant Muslims is commendable. In spite of various forms of resistance from different quarters including intimidation and fatwa, his doggedness and courage gradually transcended opposition. His untiring efforts to popularise family planning as a whole in every nook and corner of Assam has markedly increased the female and male participation in birth control programme and this has lead to decrease of Total Fertility Rate (TFR) from 2.6 in 2009 to 2.2 in 2015-16 (Assam, National Health Survey (NFHS-4) , India).

4. Another laudable contribution of Prof Ali towards the population control programme is the popularisation of NSV (No Scalpel Vasectomy), a modern and novel procedure of male sterilization (vasectomy) amongst the people irrespective of cast and religion, thereby overcoming the decade-long myth and taboo prevalent in the society. He was also instrumental in the training of thousands of ASHA workers, ANM, GNM and other health personnels in the field of family planning.

5. Prof Ali's contribution in development of surgical faculty in Assam and Northeast is commendable. He has performed the first-ever Transluminal Balloon Angioplasty of Common Iliac Artery, jointly and lateral Pancreaticojejunostomy, distal Pancreatectomy with splenectomy for tropical Chronic Pancreatitis (TCP) in Assam and Northeast. He also performed the first ever Omen topexy to hand for peripheral vascular disease, Parathyroid glands resection for primary, Triple gall-bladder surgery, and radical thyroidectomy for Medullary Carcinoma of Thyroid gland. Associated with many socio-health organizations, he has been working for women education, women empowerment, abolition of child marriage and environmental protection. He is the Co-Author of a book on AIDS in Assamese 'Kuri Satikar Mahabyadhi-AIDS'. His book on Population Explosion (in Assamm) 'Jana Bisfuranar Pom Khedi' was widely lauded by the intellectuals of the State.

6. Prof. Ali has received accolades from various bodies of the State and the Nation for his contributions in the field of population control programme. His work has drawn the attention of international media like BBC, New York Times, Associated Press (AP) etc. His efforts have created an unprecedented awareness to control human population and there has been significant decline in population growth.

पद्म श्री

प्रोफेसर इलियाय अली



प्रो. इलियास अली लोक स्वास्थ्य, विशेषकर जनसंख्या विस्फोट जो मानव जाति के लिए आज सबसे बड़ा खतरा है पर नियंत्रण करने के लिए अपने बेहतर अनुभव के कारण समग्र पूर्वोत्तर भारत में एक जानी-मानी शख्सियत हैं। राज्य के सम्मानित सर्जन और परोपकारी व्यक्ति होने के नाते आपने परिवार नियोजन की अवधारणा तथा जन्म-दर-नियंत्रण के विभिन्न माध्यमों को प्रचालित करने के लिए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों सहित, लगभग पूरे असम राज्य की यात्रा की है।

2. आपका जन्म असम के डारंग जिले के एक दूरस्थ गांव में 9 अगस्त, 1955 को एक किसान परिवार में हुआ था। आपने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम से 1982 में एमबीबीएस की शिक्षा पूरी की तथा 1987 में एमएस (सामान्य चिकित्सा) किया। आपने सर्जरी (आपातकालीन) के प्रोफेसर, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज गुवाहाटी में विभाग अध्यक्ष आपातकालीन चिकित्सा के संस्थापक, एनएसवी असम सरकार के राज्य प्रशिक्षक एवं राज्य नोडल अधिकारी; एनआईआईएम, असम में परिवार नियोजन के वरिष्ठ परामर्शदाता; असम की जनसंख्या नीति के लिए समिति के सदस्य; एनएसवी, एमओएचएफडब्ल्यू, जीओआई के राष्ट्रीय विशेषज्ञ तथा एमसीआई, जीओआई के आंकलनकर्ता के रूप में विभिन्न पदों पर राज्य और देश की सेवा की है।

3. आपका सबसे उल्लेखनीय योगदान पवित्र कुरान की आयतों तथा हदीस का हवाला देते हुए अप्रवासी पृष्ठभूमि के बीच परिवार नियोजन का प्रचार करना है। बहुविवाह, एक ऐसा अभिशाप जो अप्रवासी मुस्लिमों के बीच व्याप्त था उसके खिलाफ आपका प्रयास सराहनीय है। विभिन्न क्षेत्रों से विभिन्न प्रकार के विरोधों, जिनमें डराना और फतवा भी शामिल है, के बावजूद आपके दृढ़ निश्चय और साहस ने धीरे-धीरे विरोध को दबा दिया। असम के प्रत्येक कोने में परिवार नियोजन को समग्र रूप से प्रचार करने के लिए आपके अथक प्रयासों के कारण जन्म-दर-नियंत्रण कार्यक्रम में महिलाओं और पुरूषों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे कुल प्रजनन दर (टीएफआर) जो कि 2009 में 2.6 थी, 2015-16 में घटकर 2.2 हो गई (असम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण) (एनएफएचएस-4), भारत)।

4. जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम की दिशा में आपका एक और प्रशंसनीय योगदान है एनएसवी (नो स्केलपल पुरूष नसबंदी) को लोकप्रिय करना, जो कि जाति और धर्म से निरपेक्ष होकर लोगों में पुरूष नसबंदी की एक आधुनिक और अनूठी प्रक्रिया है। इस प्रकार कई दशकों से समाज में चली आ रही मिथक और प्रतिबंध पर जीत हासिल हुई। आपने हजारों आशा कर्मचारियों, एएनएम, जीएनएम तथा परिवार नियोजन के क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षण देने के लिए योगदान दिया।

5. असम और पूर्वोत्तर में सर्जिकल सुविधाओं के विकास में आपका योगदान उल्लेखनीय है। आपने असम और पूर्वोत्तर में कामन इलियाक धमनी की सबसे पहली ट्रांसलूमिनल बलून एंजियोप्लास्टी, ज्वाइंटली एंड लेटरल पैनक्रियाटिकम्जेजूनोस्टामी, ट्रॉपिकल क्रॉनिक पैनक्रियाटिटिस (टीसीपी) के लिए स्पलीनएटॉमी सहित डिस्टल पैनक्रियाटिक्टॉमी की। आपने पहली बार पेरिफेरल वस्कुलर डिजीज के लिए ओमन टोपेक्सी, प्राथमिक के लिए पैराथायराइड ग्लैंड रिसेक्शन, ट्रिपल गॉलब्लेडर सर्जरी तथा थायराइड ग्रंथी के मेडूलरी कारासिनोमा के लिए रेडिकल थायराइड-एक्टॉमी की। आप सामाजिक-स्वास्थ्य संगठनों से जुड़े हैं। आप नारी शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, बाल विवाह की रोकथाम तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। आप एड्स पर असमिया भाषा में पुस्तक 'कुरी सतीकार महाव्याधि एड्स' के सह-लेखक हैं। जनसंख्या विस्फोट पर आपकी पुस्तक (असमिया में) 'जन बिस्फुरनर पोम खीरी' राज्य के प्रबुद्ध वर्ग द्वारा सराही गई।

6. आपको जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए राज्य तथा देश के विभिन्न निकायों से काफी प्रशंसा मिली। आपके कार्यों ने बीबीसी, न्यूयार्क टाइम्स, एसोसिएटिड प्रेस (एपी) इत्यादि जैसे अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया। आपके प्रयासों से मानव जनसंख्या को नियंत्रित करने में अभूतपूर्व जागरूकता पैदा हुई और जनसंख्या वृद्धि में काफी गिरावट आई है।